हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(बसंत)(पाठ 6)(जयंत विष्णु नार्लीकर – पार नजर के)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

छोटू का परिवार कहाँ रहता था ?

उत्तर 1:

छोटू का परिवार जमीन के अन्दर बसी कॉलोनी के अंदर रहता था ।

प्रश्न 2:

छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत क्यों नहीं थी ? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर 2:

छोटू को सुरंग के अन्दर जाने की मनाही इसलिए थी क्योंकि उसका रास्ता जमीन के ऊपर जाता था और वहाँ बिना सुरक्षा उपकरण के जाना खतरे से खाली नहीं था । और वहाँ केवल सहायक उपकरणों के साथ ही जाया जा सकता था

प्रश्न 3:

कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की ?

उत्तर 3:

कंट्रोल रूम में जब छोटू पहुँचा तो उसका सारा ध्यान कॉन्सोल पैनल पर था। कॉन्सोल का एक बटन दबाने की अपनी इच्छा को वह रोक नहीं पाया। वह लाल–लाल बटन उसे बरबस अपनी तरफ खींच रहा था। ... और सहसा खतरे की घंटी बजी। सबकी निगाहें कॉन्सोल की तरफ मुड़ीं। उसके पापा ने उसे अपनी तरफ खींचते हुए एक झापड़ मार दिया और लाल बटन को पूर्व स्थिति में ला दिया। लेकिन क्रमांक एक का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया ।

प्रश्न 4:

इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन–जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया ? इसे लिखो।

उत्तर 4:

एक समय था, जब मंगल ग्रह पर सभी लोग जमीन के ऊपर ही रहते थे। बगैर किसी तरह के यंत्रों की मदद के, बगैर किसी खास किस्म की पोशाक के, हमारे पुरखे जमीन के ऊपर रहा करते थे लेकिन धीरे–धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। कई तरह के जीव धरती पर रहा करते थे,एक के बाद एक सब मरने लगे। इस परिवर्तन की जड़ में था सूरज में हुआ परिवर्तन। सूरज से हमें रोशनी मिलती है, ऊष्णता मिलती है। इन्हीं तत्त्वों से जीवों का पोषण होता है। सूरज में परिवर्तन होते ही यहाँ का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। प्रकृति के बदले हुए रूप का सामना करने में यहाँ के पशु–पक्षी, पेड़–पौधे, अन्य जीव अक्षम साबित हुए

प्रश्न 5:
कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों ?
उत्तर 5:
अंतरिक्ष यान को नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन नासा ने भेजा था जिससे कि वह मंगल ग्रह के बारे में जानारी एकत्रित कर सकें और वहाँ की मिट्टी के नमूनों से यह पता लगा सकें कि मंगल पर जीवन है या नहीं है या उसकी कितनी संभावना है ।

प्रश्न 6:
नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के कौन से तरीके सुझाते हैं और क्यों?
उत्तर 6:
कालोनी की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी नंबर एक पर थी। उन्होंने कहा इन दोनों अंतरिक्ष यानों को जलाकर खाक कर देने की क्षमता हम रखते हैं, मगर इससे हमें कोई जानकारी हासिल नहीं हो सकेगी। नंबर दो एक वैज्ञानिक थे। वे बोले हालाँकि यंत्रों को बेकार कर देने में भी खतरा है। इनके बेकार होते ही दूसरे ग्रह के लोग हमारे बारे में जान जाएँगे। इसलिए मेरी राय में हमें सिर्फ अवलोकन करते रहना चाहिए। ,जहाँ तक हो सके हमें अपने अस्तित्व को छिपाए ही रखना चाहिए, क्योंकि हो सकता है जिन लोगों ने अंतरिक्ष यान भेजे हैं, वे कल को इनसे भी बड़े सक्षम अंतरिक्ष यान भेजें । नंबर तीन सामाजिक व्यवस्था का काम देखते थे।